ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. NO.- 109-110

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-14, No.-IV, Issues-22, YEAR- Oct.-Dec.-2021

जनपद आजमगढ़ (उ0प्र0): कृषि के अधः संरचनात्मक तत्वों का संयुक्त विकास स्तर

डॉ0 भोलेन्द्र प्रताप सिंह

असि0 प्रोफेसर, भूगोल विभाग, पी0जी0 कालेज, गाजीपुर (उ0प्र0), भारत

Received- 17 .11. 2021, Revised- 22 .11. 2021, Accepted - 26.11.2021 E-mail: bholendrapsingh2323@gmail.com

सारांशः *ग्रामीण अर्थव्यवस्था वाले देशों में कृषि विकास, ग्रामीण विकास का मुख्य आधार है। ग्रामीण विकास मुख्य आधार है। हरित क्रान्ति के पश्चात देश की कृषि में किये जाने वाले प्रयोगों एवं सुधारों की उपादेयता का क्षेत्रीय एवं स्थानीय संदर्भ में ग्रहण किया जाना अपेक्षित है। ऐसे क्षेत्रों में जहाँ के लोगों का आर्थिक आधार कृषि है, वहाँ के कृषि विकास के लिए कृषि से सम्बन्धित आवश्यक तत्वों एवं कार्यों का विकास आवश्यक है। कृषि विकास का तात्पर्य, निम्न उत्पादकता वाले परम्परागत कृषि पद्धति में सुधार करके उसे उच्च उत्पादकता युक्त वैज्ञानिक और आधुनिक स्वरूप प्रदान करना है। किसी भी क्षेत्र के योजनाबद्ध विकास के लिए, आवश्यक अवस्थापनात्मक तत्वों की उपलब्धता जरूरी तत्व है। कृषि विकास के आधारभूत आवश्यक अवस्थापनात्मक तत्वों में–सिंचाई के साधन, कृषि यंत्र, भण्डारण की सुविधा उर्वरक, उन्नतशील बीज, बीज सम्बर्धन, बीज प्रसंस्करण, बीज गोदाम एवं विपणन तंत्र आदि मुख्य है। उपरोक्त संदर्भ में प्रस्तुत अध्ययन जनपद आजमगढ़ के कृषि विकास में सहायक कृषि के अधःसंरचनात्मक तत्वों का संयुक्त विकास स्तर निर्धारित करके उसका क्षेत्रीय विश्लेषण प्रस्तुत करना है।*

कुंजीभूत शब्द–ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि विकास, ग्रामीण विकास, उपादेयता, आर्थिक आधार, उत्पादकता, परम्परागत।

अध्ययन क्षेत्र– अध्ययन क्षेत्र जनपद आजमगढ़ के पूर्वी मध्य भाग में स्थित है। भौगोलिक दृष्टि से जनपद का विस्तार निचली गंगा–घाघरा, दोआब में 28 38′ से 26 27′ उत्तरी अक्षांश और 82 42′ से 83 27′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। जिले के सम्पूर्ण क्षेत्रफल 4108 वर्ग कि0मी0 है, जो प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 1.4 प्रतिशत है। वर्ष 2001 के जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 393916 है, जिसमें 3642615 ग्रामीण और 297301 नगरीय है। कुल जनसंख्या में पुरूषों की संख्या 1950415 और स्त्रियों की संख्या 1989501 है। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जनपद में प्रति एक हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या 1020 है। जनपद में प्रति वर्ग किमी0 पर 873 व्यक्ति निवास करते हैं। अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या में कृषक और कृषि श्रमिकों का कुल प्रतिशत 66.82 है। अध्ययन क्षेत्र के कुल क्षेत्रफल का 71.55 प्रतिशत भू–भाग पर कृषि की जाती है। इस प्रकार स्पष्ट है जनपद के लोगों की आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि है।

अध्ययन विधि– कृषि अधः संरचनात्मक तत्वों के विकास स्तर के मापन हेतु निम्नलिखित तत्वों का चयन चर के रूप में किया गया है:–

– विकास खण्डवार प्रति 100 वर्ग किमी0 क्षेत्र पर नलकूपों की संख्या।
– सकल बोये गये क्षेत्र में प्रति हेक्टेअर क्षेत्र पर उर्वरकों का उपयोग (किग्रा0 में)
– विकास खण्डवार कुल ग्रामीण गोदामों की भण्डारण क्षमता (मीटरी टन में)
– प्रति आबाद ग्राम पर सहकारी कृषि एवं ग्राम्य विकास बैंक द्वारा वितरित ऋण।

उपर्युक्त चरों से प्राप्त सूचकांकों का योग करके प्राप्त संयुक्त सूचकांक, विकास खण्ड स्तर पर विकास स्तर को व्यक्त करता है।

उपयुक्त चयनित चरों की सर्वप्रथम गणना करके प्रत्येक कारकों में सबसे अधिक प्रतिशत प्राप्त विकास खण्ड को एक अंक प्रदान किया गया है। इसके पश्चात् प्रत्येक प्रतिशत में अधिकतम प्रतिशत से भाग देकर प्रमाणिक लब्धि को ज्ञात किया गया तथा इस प्रकार प्रत्येक विकासखण्ड के प्रमाणिक लब्धियों को जोड़कर औसत निकाला गया है। यही औसत प्रत्येक विकास खण्ड का संयुक्त सूचकांक है।

उच्च स्तर (0.55 से अधिक)– जनपद आजमगढ़ में छः विकास खण्डों अहिरौली, महाराजगंज, जहानागंज, फूलपुर, लालगंज, तरवां में विकास स्तर सूचकांक 0.55 से अधिक मिलता है। जिससे स्पष्ट होता है कि इन विकास खण्डों में कृषि के अधः संरचनात्मक तत्वों यथा, प्रति 100 वर्ग किमी0 नलकूपों की संख्या, ग्रामीण भण्डारण क्षमता, सकल बोये गये क्षेत्र में प्रति हेक्टेयर उर्वरकों का उपभोग एवं सहकारी कृषि व ग्राम विकास बैंकों द्वारा वितरित ऋण जनपद की अन्य विकास खण्डों की अपेक्षा उच्च है।

मध्यम स्तर (0.50 से 0.54)– जनपद आजमगढ़ में 0.50 से 0.54 प्रतिशत संयुक्त सूचकांक वाले विकास खण्डों की संख्या 09 है। इनमें अतरौलिया, कोयलसा, बिलरियागंज, आजमतगढ़, मिर्जापुर, पल्हनी, पवई, मार्टिनगंज और मेहनगर विकास

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-14, No.-IV, Issues-22, YEAR- Oct.-Dec.-2021

खण्ड शामिल हैं। इनमें कृषि के अधःसंरचनात्मक तत्वों का वितरण अपेक्षाकृत मध्यम है।

निम्न स्तर (0.50 से कम)– जनपद आजमगढ़ की सात विकास खण्डों हैरया, तहबरपुर, मोहम्मदपुर, रानी की सराय, सठियॉव, ठेकमा और पहल्ना में कृषि अधः संरचनात्मक तत्वों का संयुक्त विकास सूयकांक 0.50 से कम है। जो इसका संकेत है कि इन विकास खण्डों में कृषि की अधःरचनात्मक तत्वों का वितरण अत्यन्त विरल है।

जनपद आजमगढ़ तत्वों का विकास स्वतंत्रता के पश्चात् (खासकर हरित क्रान्ति के पश्चात) अधिक हुआ है। जिसके फलस्वरूप जनपद के कृषि उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही कृषि में फसलों की विविधता बढ़ी है। खाद्यान्न फसलों का क्षेत्रफल और उत्पादन अधिक बढ़ा है। वर्तमान में व्यवसायिक एवं व्यापारिक फसलों के साथ–साथ औषधीय फसलों के उत्पादन की प्रवृत्ति आयी है, जिससे कृषकों के सामाजिक–आर्थिक दशा में सुधार हुआ है और समन्वित ग्रामीण विकास को बल मिला है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. तिवारी, पी0डी0 (1989): 'भूमि उपयोग प्रतिरूप, पोषण की स्थिति एवं कृषि विकास की सम्भावनाऍं'', ग्राम करा, जिला आजमगढ़।
2. करण, महेश्वर प्रसाद (1994) : 'भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था।
3. हारून मोहम्मद (2001).

*****